आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–**06 सितंबर** 2026 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'राष्ट्रीय शिक्षक दिवस' के अवसर पर प्रदेश के पांच शिक्षकों सहित देश के उनहत्तर शिक्षकों को किया सम्मानित। कहा– गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के जरिये ही हासिल होगा विकसित भारत का लक्ष्य।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में इक्यासी शिक्षकों का किया सम्मान। उत्कृष्टता और नवाचार को लेकर प्रतिस्पर्धा आगे बढ़ाने के लिये शिक्षकों का किया आह्वान।
- उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की प्राविधिक शिक्षा अध्यापन परीक्षा आज। राज्य के छः जिलों में दो पालियों में होगा परीक्षा का आयोजन।
- प्रदेश में कई नदियां उफान पर। चौबीस जिले बाढ़ से हुए प्रभावित। मुख्यमंत्री ने वाराणसी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण, पीड़ितों में बांटी राहत सामग्री।

****

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'राष्ट्रीय शिक्षक दिवस' के अवसर पर कल नई दिल्ली में उत्तर प्रदेश के तीन शिक्षकों सहित देश के 48 शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया। राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित होने वाले प्रदेश के शिक्षकों में गाज़ियाबाद की रेनू त्रिपाठी, कौशांबी की शालिनी कुशवाहा और बलिया के डॉ. इफ्तखार खान शामिल रहें। कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने उच्च शिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक के 21 शिक्षकों और संकाय सदस्यों को भी राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान किए। इस श्रेणी में बीएचयू के प्रोफेसर आशुतोष मोहन और आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर शंकर प्रसाद रथ को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के जरिए ही विकसित भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

हम सब देशवासी विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं। विश्वस्तरीय शिक्षा व्यवस्था के बल पर विकसित भारत का निर्माण संभव है। हमारे शिक्षक, शिक्षा व्यवस्था में प्राण वायु का संचार करते हैं। हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि हमारे देश में एक भी विद्यार्थी अच्छी शिक्षा के अवसर से वंचित न हो।

राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित होने पर बलिया के डॉक्टर इफ्खार खान ने कहा कि पुरस्कार मिलने के बाद छात्रों को और बेहतर मार्गदर्शन देने की ऊर्जा मिली है।

मैंने नवाचार शिक्षा पे ज्यादा बल दिया ना कि कॉपी कराने पे और पुरस्कार मिलने से बहुत खुशी हो रही है लेकिन साथ ही अभी कहेंगे पुरस्कार मिलने के बाद और जिम्मेदारियां बढ़ जाती है क्योंकि लोगों की अपेक्षाएं बढ़ जाती है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित होने वाले शिक्षकों के साथ बातचीत की। इस दौरान श्री मोदी ने कहा कि शिक्षकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हर विद्यार्थी के भीतर का बचपन जीवंत रहे। प्रधानमंत्री ने बच्चों में अत्यधिक स्क्रीन समय पर चिंता जताई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल गोरखपुर में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में 81 शिक्षकों को राज्य अध्यापक पुरस्कार और मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से उत्कृष्टता और नवाचार को लेकर प्रतिस्पर्धा आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

जो टीचर टैलेंट एंड ट्रांसफॉर्मेशन को हमने जोड़ा एक केवल ट्रिपल टी तक सीमित नहीं था। इसमें शिक्षक का सम्मान है। इसमें विद्यार्थी की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है और इसी कार्य को ध्यान में रखकर हम लोगों ने विद्यालयों में वे संसाधन उपलब्ध करवाए जिन संसाधनों का भाव दशकों से हमारा यह शिक्षक समुदाय महसूस करता था। आपने देखा होगा 2017 में हमारे शिक्षा मित्रों का मानदेय था मात्र ₹3000 आज मिलता है ₹18000 अनुदेशकों का मानदेय अब ₹17000 हुआ है लेकिन साथ–साथ ₹500000 का कैशलेस की स्वास्थ्य की सुविधा भी उन्हें दी गई है

राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त इन शिक्षकों को आजीवन उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में प्रति वर्ष 4000 किलोमीटर की निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। साथ ही इनकी सेवानिवृत्ति की सीमा भी दो वर्ष बढ़ जाएगी।

****

प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य डॉक्टर दिनेश शर्मा को अण्डमान निकोबार का उप राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वह वर्तमान उप राज्यपाल डीके जोशी का स्थान लेंगे। उपराज्यपाल पद पर नियुक्त होने के बाद आकाशवाणी समाचार से विशेष बातचीत में डॉ दिनेश शर्मा ने कहा की वह मानते हैं कि हर जिम्मेदारी बड़ी होती है और प्रधानमंत्री जी ने जो विश्वास उनके ऊपर जताया हैं, वह उसे पूरा करेंगे।

अब मैं... मैं समझता हूँ कि यह एक... हर जिम्मेदारी बड़ी होती है। अब जो प्रधानमंत्री जी का विश्वास है, उसको पूरा करूँ, यही मेरी इच्छा है। हमेशा मैं एक कार्यकर्ता की तरह रहा हूँ। तो जो भी हमारे पार्टी का नेतृत्व आदेश देता है, वो सिद्ध करना हमारा काम है।

****

भारत और नेपाल के बचाव दल का चिलिमे सुरंग में बचाव अभियान जारी है। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने बताया कि बचाव अभियान को सुगम बनाने के लिए पास के स्याफरूबेसी से सुरंग के प्रवेश द्वार तक एक पहुंच मार्ग का निर्माण भी चल रहा है। विनाशकारी बाढ़ में मृतकों की संख्या बढ़कर एक हजार 344 हो गई है।

****

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की प्राविधिक शिक्षा अध्यापन परीक्षा–दो हजार पच्चीस आज दो पालियों में आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा लखनऊ समेत राज्य के छः जिलों में होगी। परीक्षा के लिए प्रयागराज में 25, मेरठ में 33, कानपुर में 28 और गोरखपुर में 44 केंद्र बनाये गये हैं। परीक्षा को नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए व्यापक इंतज़ाम किए गए हैं। 19 विभिन्न विषयों के व्याख्याता पदों के लिए होने वाली परीक्षा में परीक्षार्थियों को केन्द्र पर एक घंटे पहले पहुंचने के निर्देश दिये गये हैं।

****

प्रदेश में भारी बारिश और बैराजों से पानी छोड़े जाने के कारण वर्तमान में 24 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। राज्य की कई नदियां अब भी उफान पर हैं। बदायूं, गाज़ीपुर और बलिया में गंगा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। फर्रूखाबाद में गंगा नदी खतरे के निशान के नजदीक पहुंच गयी है। वहीं लखीमपुर खीरी और बाराबंकी में शारदा तथा अयोध्या और तुर्तीपार बलिया में घाघरा नदी का जलस्तर भी खतरे के निशान के पार पहुंच गया है। चित्रकूट के राजापुर में यमुना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री आज मंदाकिनी नदी से आयी बाढ़ का जायजा लेने के लिये चित्रकूट जायेंगे। वहां वह बाढ़ प्रभावित लोगों से संवाद करने के बाद जरूरतमंद परिवार को राहत सामग्री वितरित करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कल वाराणसी में वरुणा नदी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ राहत शिविर में पहुंचकर पीड़ितों से मुलाकात की और राहत सामग्री बांटी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की सरकार इस आपदे में पीड़ितों के साथ है। उन्होंने कहा कि सभी संवेदनशील क्षेत्रों में प्रशासन की ओर से राहत कार्य जारी है।

बारिश और बाढ़ के कारण जनहानि, पशुहानि और मकानों को हुई क्षति का आकलन कर मुआवज़े का वितरण किया जा रहा है।

आदरणीय प्रधानमंत्री जी के निर्देश पर मैं स्वयं यहां पर आया हूं। वाराणसी में इस क्षेत्र का निरीक्षण करने के लिए। यहां पर बचाव के लिए 48 नाव एनडीआरएफ, पीएसी और जल पुलिस की टीम भी 24 घंटे उन क्षेत्रों में सक्रिय की गई है। बाढ़ आएगी तो बीमारी भी आएगी। उसके बचाव के लिए मेडिकल के शिविर लगाए जा रहे हैं। जिनके पास आयुष्मान के कार्ड नहीं हैं, वहां उन्हें आयुष्मान के कार्ड भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं और फ्री में दवाएं भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

उधर, मौसम विभाग ने अगले चार दिनों तक प्रदेश के पूर्वी हिस्से और आगामी दो दिनों में पश्चिमी ज़िलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

****

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने यूजीसी–नेट जून 2026 के अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र विषय की पुनर्परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। अंग्रेजी की परीक्षा 9 सितंबर को सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक होगी। वाणिज्य की परीक्षा उसी दिन दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक होगी। समाजशास्त्र की परीक्षा 10 सितंबर को सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक होगी। इन तीनों विषयों की परीक्षा पेपर में कुछ गलतियों की शिकायतों के बाद दोबारा आयोजित की जा रही है।

****

मिर्जापुर जिले के अहरौरा थाना क्षेत्र के भगवती देई पहाड़ी में कल स्टोन क्रशर में ब्लास्ट के दौरान एक कमरा ढह गया, जिसमें दब कर चार मजदूरों की मौत हो गयी। मरने वाले सभी चार मजदूर सोनभद्र जिले के रहने वाले थे। वहां के जिलाधिकारी ने दुर्घटना के कारण की जानकारी के लिये सुरक्षा मानकों की जांच के निर्देश दिये हैं।

उधर, कौशाम्बी जिले के महेवा घाट थाना क्षेत्र के घोघपुर गांव में कल यमुना नदी में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो जाने की खबर है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से तीनों बच्चों के शव बरामद कर लिये। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को पीड़ित परिवार को हर सम्भव सहायता के निर्देश दिये हैं।

****